पारंपरिक खेलों में भाग लेकर भारतीय संस्कृति से रुबरु हुए कैंपस स्कूल के विद्यार्थी

खानपुर कलां, चेतना संवाददाता। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी कैंपस स्कूल में बुधवार को भारतीय पारंपरिक खेलों का आयोजन किया गया। यूनिवर्सिटी कैंपस स्कूल की प्राचार्या डॉ सरोज सिंह ने बताया कि भारत सरकार का शिक्षा मंत्रालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की चौथी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 22 जुलाई से 28 जुलाई तक शिक्षा सप्ताह मना रहा है। यह आयोजन विद्यार्थियों में परिवर्तनशील विचारधारा को विकसित करने का एक उत्कृष्ट अवसर प्रदान करता है। सीबीएसई द्वारा निर्देशित श्रृंखला की इसी कड़ी में पारंपरिक खेलों का आयोजन किया गया। महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सुदेश ने आयोजक टीम को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि पारंपरिक खेल न केवल भारतीय संस्कृति के विकास में सहायक हैं, बल्कि विद्यार्थियों को शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यूनिवर्सिटी कैंपस स्कूल के शिक्षक डॉ. दीपक ढाका के नेतृत्व में विद्यार्थियों ने बिजो बांदरी, रुमाल दाऊ, लंगड़ी-टांग, पिट्ठू, विष-अमृत, रस्सी कूद, पोसमपा तथा ऊंच-नीच जैसे पारंपरिक भारतीय खेलों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्राचार्या ने विद्यार्थियों को इस प्रकार की खेल गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

छात्रों ने रस्सी कूद, लंगड़ी-टांग, पोशेम्पा, बिजो बांदरी जैसी पारंपरिक खेलों में दिखाई प्रतिभा

महिला विवि के कैंपस में शिक्षा सप्ताह के तहत खेलकूद प्रतियोगिताएं

भास्कर न्यूज | गोहाना

बीपीएस महिला विवि के कैंपस स्कूल में बुधवार को भारतीय पारंपरिक खेलों का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने बिजो बांदरी, रुमाल दाऊ, लंगड़ी-टांग, पिट्ठू, विष-अमृत, रस्सी कूद, पोशम्पा और ऊंच-नीच जैसे पारंपरिक भारतीय खेलों में उत्साहपूर्वक हिस्सा लेते हुए अपनी प्रतिभा दिखाई। इस दौरान स्कूल प्राचार्य डॉ. सरोज सिंह ने विद्यार्थियों को खेल गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया।

डॉ. सरोज सिंह ने बताया कि केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की चौथी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 22 से 28 जुलाई तक शिक्षा सप्ताह मना रहा है। यह आयोजन विद्यार्थियों में परिवर्तनशील विचारधारा को विकसित करने का एक उत्कृष्ट अवसर प्रदान करता है। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा निर्देशित श्रृंखला की इसी कड़ी में पारंपरिक खेलों का आयोजन किया गया। वहीं महिला विवि की कुलपति प्रो. ने कहा कि पारंपरिक खेल न केवल भारतीय संस्कृति के विकास में सहायक हैं, बल्कि विद्यार्थियों को शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस मौके पर स्कूल के शिक्षक डॉ. दीपक ढाका मौजूद रहे।

गोहाना. बीपीएस विवि के कैंपस स्कूल में आयोजित भारतीय पारंपरिक खेलों में भाग लेते विद्यार्थी।

विश्वविद्यालय में पारंपरिक खेलों का आयोजन

विश्वविद्यालय में विद्यार्थी बिजोबांदरीखेलते हुए ● सौ. विश्वविद्यालय

वि., गोहाना: भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के कैंपस स्कूल में बुधवार को भारतीय पारंपरिक खेलों का आयोजन किया गया। प्राचार्य डा. सरोज सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की चौथी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 28 जुलाई तक शिक्षा सप्ताह मनाया जा रहा है। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा निर्देश पर पारंपरिक खेलों का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि पारंपरिक खेल न केवल भारतीय संस्कृति के विकास में सहायक हैं, बल्कि विद्यार्थियों को शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षक डा. दीपक ढाका के नेतृत्व में विद्यार्थियों ने बिजो बांदरी, रुमाल दाऊ, लंगड़ी-टांग, पिट्ठू, विष-अमृत, रस्सी कूद, पोसमपा और ऊंच-नीच जैसे पारंपरिक खेलों में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

27 को बीपीएस में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

गोहाना, 24 जुलाई (रामनिवास धीमान): उपमंडल के गांव खानपुर कलां भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की सेंट्रल लाइब्रेरी द्वारा 27 जुलाई को विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड-1 स्थित संस्कारम सभागार में एक दिवसीय ऑर्किड एंड इन्फ्लिबनेट सर्विसेज फॉर स्कॉलरली कम्यूनिटीज जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिसका उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश द्वारा किया जाएगा। कार्यक्रम में कार्यवाहक कुलसचिव प्रो. श्वेता सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में पी. कनन तथा हितेश कुमार शिरकत करेंगे। सेंट्रल लाइब्रेरी के लाइब्रेरियन डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि इस कार्यक्रम में लगभग 150 शिक्षाविद, लाइब्रेरियन, शोधार्थी एवं विद्यार्थी भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम इन्फ्लिबनेट सेंटर, गांधीनगर (गुजरात) द्वारा प्रायोजित है। इन्फ्लिबनेट अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों का उपयोग कर भारत में विश्वविद्यालय पुस्तकालयों के आधुनिकीकरण में संलग्न हैं।

अजीत समाचार
उत्तर भारत का सम्पूर्ण अखबार
25-Jul-2024
Page: 6
http://www.ajitsamachar.com/20240725/27/6/1_1.cms

यूनिवर्सिटी कैंपस स्कूल में भारतीय पारंपरिक खेलों का किया आयोजन : प्राचार्या डॉ. सरोज

गोहाना, 24 जुलाई (रामनिवास धीमान): उपमंडल के गाँव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी कैंपस स्कूल में बुधवार को भारतीय पारंपरिक खेलों का आयोजन प्राचार्या डॉ सरोज सिंह की अध्यक्षता में किया । जिसमें प्राचार्या डॉ सरोज सिंह ने बताया कि भारत सरकार का शिक्षा मंत्रालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की चौथी वर्ष गांठ के उपलक्ष्य में 22 जुलाई से 28 जुलाई तक शिक्षा सप्ताह मना रहा है। जिससे विद्यार्थियों में परिवर्तनशील विचारधारा को विकसित करने का एक उत्कृष्ट अवसर प्रदान करता है। कार्यक्रम में मुख्य तौर से पहुंची महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सुदेश ने आयोजक टीम को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि पारंपरिक खेल न केवल भारतीय संस्कृति के विकास में सहायक हैं, बल्कि विद्यार्थियों को शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्राचार्या डॉ. सरोज सिंह ने विद्यार्थियों को इस प्रकार की खेल गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

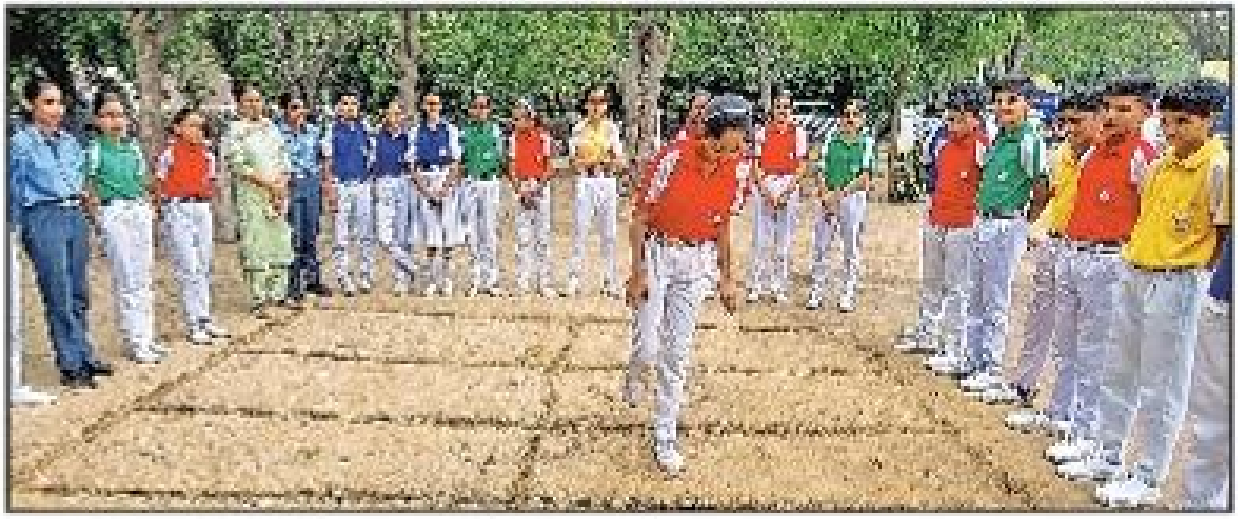

पारंपरिक खेलों में भाग लेते विद्यार्थी।

अजीत समाचार
25-Jul-2024
Page: 9
उत्तर भारत का सम्पूर्ण अख़बार
http://www.ajitsamachar.com/20240725/27/9/1_1.cms

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Rohtak Sonipat 25-07-2024 - 25 Jul 2024 - Page 3

छात्रों ने पारंपरिक खेलों का आनंद लिया

■ महिला विवि के कैंपस स्कूल में पारंपरिक खेलों का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी कैंपस स्कूल में बुधवार को भारतीय पारंपरिक खेलों का आयोजन किया गया। यूनिवर्सिटी कैंपस स्कूल की प्राचार्या डॉ. सरोज सिंह ने बताया कि भारत सरकार का शिक्षा मंत्रालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की चौथी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 22 जुलाई से 28 जुलाई तक शिक्षा सप्ताह मना रहा है। यह आयोजन विद्यार्थियों में परिवर्तनशील विचारधारा को विकसित करने का उत्कृष्ट अवसर प्रदान करता है। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा निर्देशित श्रृंखला की इसी कड़ी में पारंपरिक खेलों का आयोजन किया गया। महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने आयोजक टीम को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि पारंपरिक खेल न केवल भारतीय संस्कृति के विकास में सहायक हैं, बल्कि विद्यार्थियों को शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कैंपस स्कूल के शिक्षक डॉ. दीपक ढाका के नेतृत्व में विद्यार्थियों ने बिजो बांदरी, रुमाल दाऊ, लंगड़ी-टांग, पिट्ठू, विष-अमृत, रस्सी कूद, पोसमपा तथा ऊंच-नीच जैसे पारंपरिक भारतीय खेलों में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

बीपीएसएमवी विवि कैंपस स्कूल में आयोजित भारतीय पारंपरिक खेलों में भाग लेते विद्यार्थी।

पंजाब केसरी
THU,25 JULY 2024
EDITION: SONIPAT KESARI, PAGE NO. 1

महिला विश्वविद्यालय के कैंपस स्कूल में हुए परम्परागत खेल

गोहाना, 24 जुलाई (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी कैंपस स्कूल में बुधवार को भारतीय पारंपरिक खेलों का आयोजन किया गया।

स्कूल की प्रिंसीपल डॉ. सरोज सिंह के अनुसार भारत सरकार का शिक्षा मंत्रालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की चौथी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 22 से 28 जुलाई तक शिक्षा सप्ताह मना रहा है। सी.बी.एस.ई. द्वारा निर्देशित इसी कड़ी में पारंपरिक खेलों का आयोजन किया गया।

स्कूल के शिक्षक डॉ. दीपक ढाका के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने बिजो बांदरी, रूमाल दाऊ, लंगड़ी-टांग, पिट्ठू, विष-अमृत, रस्सी कूद, पोसम पा तथा ऊंच-नीच जैसे पारंपरिक भारतीय खेलों में भाग लिया।

महिला विश्वविद्यालय की वी.सी. प्रो सुदेश ने कहा कि पारंपरिक खेल न केवल भारतीय संस्कृति के विकास में सहायक हैं, बल्कि विद्यार्थियों को शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

एक परम्परागत खेल में भाग लेते हुए कैंपस स्कूल के बच्चे। (अरोड़ा)